PROF. SUMITRA K. PATEL

DEPARTMENT OF HINDI

UMIYA ARTS & COMMERCE COLLEGE FOR GIRLS

SOLA, AHMEDABAD

जनसंचार माध्यम के प्रकार

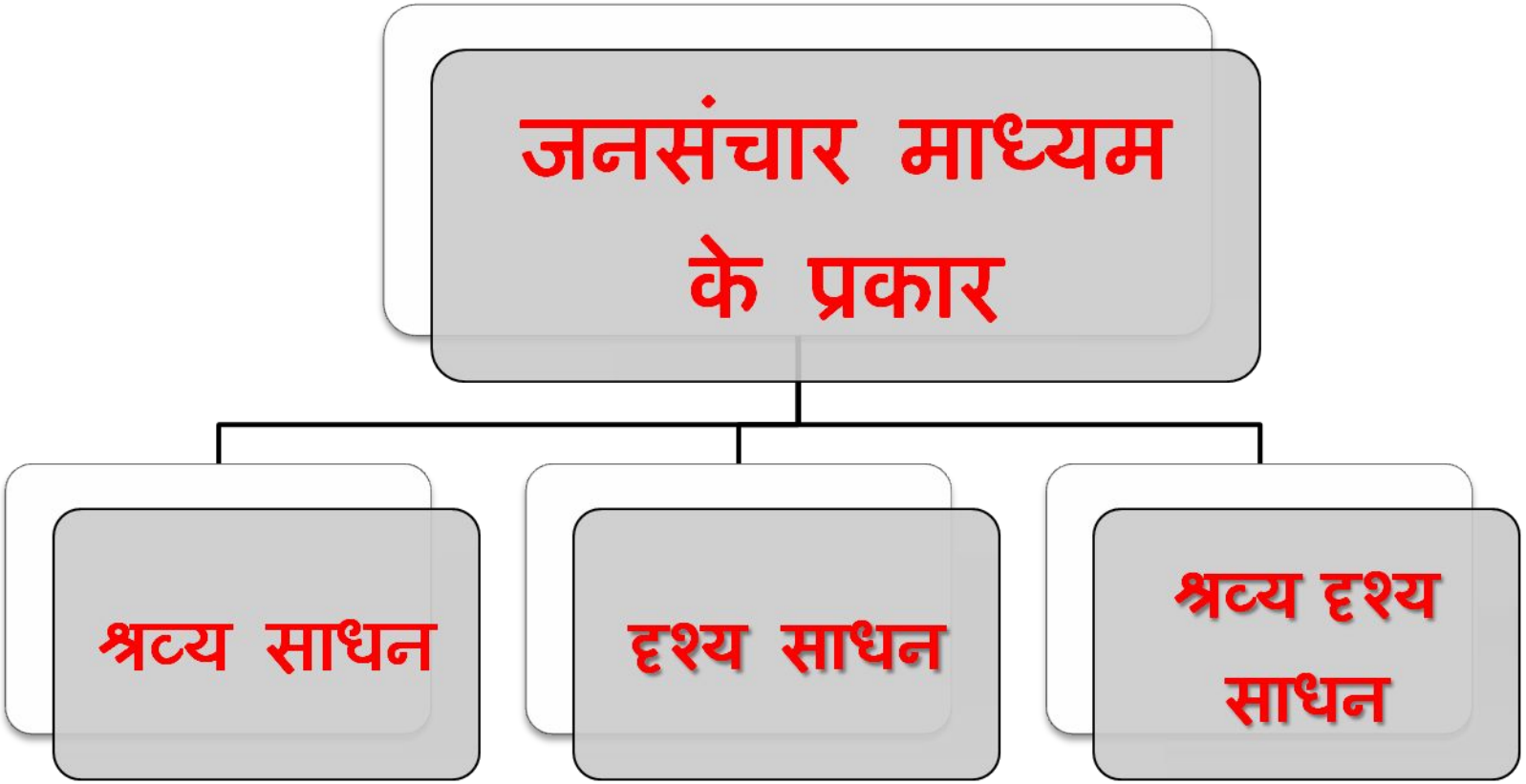

श्रव्य साधन

1 रेडियोः

रेडियो के आविष्कार ने विश्व में जनसंचार को एक नया स्वरुप प्रदान किया था। रेडियो ने न केवल मनोरंजन अपितु ज्ञान वर्धन के क्षेत्र में अटूट सहयोग दिया है।

2 लाउड स्पीकरः

छोटे समुहो में स्थित भीड तक अपनी बात पहुंचाने में लाउड स्पीकर का योगदान रहा है।

3 टेप रेकोर्डरः

इसके माध्यम से दूर रहने वाला व्यक्ति किसी भी कार्यक्रम की रीकार्डिंग करके उस कार्यक्रम का सजीव चित्रण कर सकता है।

दृश्य साधन

1 पुस्तकः

पुस्तको नें विश्व में जनमत निर्माण की दिशा में अहम भूमिका निभाइ।

2 समाचार पत्रः

छापेखाने के फलस्वरूप पत्रों का प्रकाशन संभव हुआ।

3 पोस्टरः

पोस्टर द्वारा अपने विचारों को विशाल जनसमुह में प्रकाशित किया जा साकता है।

4 पत्रिकाएँः

धार्मिक, सामाजिक, साहित्यिक, राजनैतिक जन संचार में सहायक सिद्ध हुआ।

5 होडिंग्सः

सड़कों के किनारे लगाइ जानेवाली होडिंग्स जनसमूह को सूचना देने के लिये होता है।

श्रव्य-दृश्य साधन

1 दूरदर्शनः

इसके माध्यम से विचार प्रसार घरमें बेठे व्यक्तियों तक आकर्षक ढंग से किया जाता है।

2 चलचित्रः

विशाल दर्शक तक विचार पहुचा शक्ता है।

3 नाटकः

मंच आधारित नाटक भी जनसंचार का माध्यम है।